an>

Title:Regarding reported death of devotees due to stampede in Deoghar, Jharkhand.

श्री जय प्रकाश नारायण यादव (बाँका) : माननीय अध्यक्ष जी, एक अत्यंत ही दुखद घटना घटी है। श्रावण मेले में 11 मौतें हुई हैं और 100 लोग घायल हुए हैं। विश्व के अद्भुत राष्ट्रीय त्यौहार और मेले में बड़े पैमाने पर मौतें हुई हैं। मैं मानता हूं कि झारखंड की राज्य सरकार पूरी तरीके से विफल हुई है। यह विश्व का अद्वितीय पैदल यात्रा उत्तरायण गंगा सुल्तानगंज से लेकर जल भरते हुए मुंगेर और बांका के इलाके से होते हुए, कटौरिया और चांद चेलहर से होते हुए लोग बाबाधाम देवघर अभिषेक करने जाते हैं। लेकिन सुरक्षा और संरक्षा की व्यवस्था नहीं रहने के कारण बड़े पैमाने पर मौतें हुई हैं।

महोदया, मैं मांग करता हूं कि मरने वाले लोगों के परिवार वालों को दस-दस लाख रुपए मुआवजे के तौर पर दिए जाएं। ...(व्यवधान) घायलों के इलाज का प्रबंध किया जाए।...(व्यवधान) बांका संसदीय क्षेत्र में 90 किलोमीटर का यह इलाका कांवरिया का है और दस किलोमीटर देवघर झारखंड का पड़ता है। हम चार बार अपने इलाके में गए और सुरक्षा की व्यवस्था अपनी आंखों से देखी पूरा बांका जिला का प्रशासन को लेकर।...(व्यवधान) लेकिन देवघर में सुरक्षा व्यवस्था नहीं हुई। इसमें राज्य सरकार विफल रही है। इस घटना की उच्च स्तरीय जांच होनी चाहिए।...(व्यवधान) यह बहुत ही दुखद घटना घटी है।

मैं मांग करता हूं कि इस मेले को राष्ट्रीय मेला घोषित किया जाए। इस घटना की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए।...(व्यवधान)

श्री निशिकान्त दुबे (गोड्डा) : अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे अत्यंत महत्वपूर्ण विषय पर बोलने का मौका दिया, इसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूं।

मैं आज स्वयं आहत हूं और सांसद होने के नाते मैं मानता हूं कि यह मेरी व्यक्तिगत हार है।...(व्यवधान) मैं इस सिस्टम से लड़ते-लड़ते थक गया हूं। आज प्रधानमंत्री जी ने इस घटना पर दुख जताया। मुख्यमंत्री जी काफी एक्टिव हैं।...(व्यवधान) माननीय गृह मंत्री जी का इस विषय में बयान आया है। आपने स्वयं विशेष रूप से इसका संज्ञान लिया है।...(व्यवधान) मैं स्पष्ट रूप से कुछ बातों पर आपसे भीख मांगता हूं और बताना चाहता हूं कि जिस तरह से वैष्णों देवी में, तिरुपति में और शिरडी में श्रद्धालु जाते हैं, उससे दुगुने श्रद्धालु देवघर में जाते हैं। देवघर चूंकि एक पिछड़ी जगह है, पिछड़े राज्य में है और सांसद के नाते मैं कैसे फेल हुआ, यह बताना चाहता हूं। जैसे नायडु जी यहां बैठे हैं, मैं लगातर चिट्ठी लिख रहा हूं कि हृदय का स्थान हो या प्रसाद हो या स्मार्ट सिटी का बजट हो, सबसे पहले देवघर को देखना चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : सदन में बहुत गंभीर विषय पर चर्चा हो रही है।

â€¦(व्यवधान)

श्री निशिकान्त दुबे : मैंने यह आग्रह बार-बार किया है लेकिन जब सांसद के नाते मैं यह बात कहता हूं कि तो लोगों को लगता है कि मैं गिड़ी हूं।...(व्यवधान) मैं आपको बताऊं कि वर्ष 2012 में 40 हजार कांवड़ियों की व्यवस्था के लिए मैंने लड़ाई लड़कर कामप्लैक्स पास कराया। वर्ष 2013 में इसका शिलान्यास माननीय राष्ट्रपति जी ने कर दिया लेकिन आज तक इसकी एक ईंट नहीं रख पाया हूं, इसका मतलब ब्यूरोक्रेसी को मैं नहीं समझा पाया और सांसद के नाते मेरी जो भूमिका है, वह खत्म हो गई।...(व्यवधान) वर्ष 2012 में केंद्र सरकार और राज्य सरकार के बीच में एयरपोर्ट का एमओयू हुआ। राज्य सरकार ने कहा कि 50 करोड़ रुपया हम देंगे और सारी जमीन फ्री ऑफ कास्ट देंगे। मैं इन सभी चीजों को लेकर हाई कोर्ट में पीआईएल में हूं लेकिन लगातार मीटिंग करने के बाद भी कुछ नहीं हुआ।...(व्यवधान) जलगांव में एयरपोर्ट बन सकता है, भंडारा में एयरपोर्ट बन सकता है, जो यहां मंत्री बन सकते हैं, उनके यहां एयरपोर्ट बनने की सुविधा है लेकिन पांच करोड़ जहां चाहते हैं, वहां एयरपोर्ट नहीं बन सकता है।

इसी तरह से मैं यह बताना चाहता हूं कि रेलवे इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए जो जसीडीह रेलवे स्टेशन है, वहां पांच-पांच रेलवे लाइन जा रही हैं लेकिन उसके बायपास के लिए कुछ नहीं बना है।...(व्यवधान) मैं सबसे महत्वपूर्ण बात आपके माध्यम से वहां एम्स के लिए कहना चाहता हूं। मैं आपको बताऊं कि सारे राज्यों में एम्स बन गया। बिहार में दो एम्स बने हैं, यह कोई गलत बात नहीं है। जम्मू में दो एम्स बने हैं, यह भी ठीक है लेकिन झारखंड में एम्स बनाने के लिए लगातार राज्य सरकार कह रही है, देवघर में बनाने के लिए कहा जा रहा है लेकिन इस बारे में कोई कार्यवाही नहीं हो रही है।...(व्यवधान) पूरी ब्यूरोक्रेसी नकारा है। मेरा आपके माध्यम से आग्रह है कि ऐसे पिछड़े राज्यों में इस तरह के मेलों में जो श्रद्धालु आते हैं और उनको जो असुविधा होती है, इसे राजनीति से ऊपर उठकर क्षेत्र के विकास के लिए केंद्र सरकार को विचार करना चाहिए।...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र,

श्री पी.पी. चौधरी और

श्री रवीन्द्र कुमार जेना को श्री निशिकांत दुबे द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : आप लोगों से मैं एक बार फिर आग्रह करती हूं कि यह बहुत गंभीर विषय है क्योंकि 11 लोगों की मौत हुई है।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : माननीय गृह मंत्री जी बयान दे रहे हैं। आप कृपया मंत्री जी की बात सुनिए।

â€¦(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : जयप्रकाश जी, आपके द्वारा उठाए गए विषय पर गृह मंत्री जी सदन में उत्तर दे रहे हैं।

â€¦(व्यवधान)

गृह मंत्री (श्री राजनाथ सिंह) : माननीय अध्यक्ष महोदया, इस सदन के सम्मानित सदस्य श्री निशिकांत दुबे और श्री जय प्रकाश नारायण यादव जी ने जिस विषय की ओर सदन का ध्यान आकर्षित किया है, उस संबंध में मैं कहना चाहूँगा...(व्यवधान)

माननीय अध्यक्ष : प्लीज सुनिए, यह ग्यारह लोगों की मौत का सवाल है।

â€¦(व्यवधान)

श्री राजनाथ सिंह : झारखण्ड के देवघर में घटी इस घटना के संबंध में जो भी जानकारी मुझे प्राप्त हुई, उस संबंध में मैंने झारखण्ड के मुख्यमंत्री से बात की है। ...(व्यवधान) मुख्यमंत्री ने जितने भी मृतकों के परिवार हैं, उनके लिए जहाँ दो लाख रुपये की आर्थिक सहायता मुहैया करायी है, ...(व्यवधान) वहीं पर जितने लोग घायल हुए हैं, उनके परिवारों को भी 50 हजार रुपये की धनराशि मुहैया करायी है और सभी के लिए मुफ्त इलाज़ की मुकम्मल व्यवस्था की गयी है। ...(व्यवधान)

पूरे श्रावण मास में दर्शनार्थियों के लिए सभी प्रकार की सुविधाएँ वहाँ पर मुहैया हो सकें और उनकी सुरक्षा सुनिश्चित हो सके, ...(व्यवधान) इसके लिए उन्होंने मुझसे फोर्स भी मांगा है और मैंने तुरंत आदेश किया है कि रैपिड ऐक्शन फोर्स की एक टुकड़ी देवघर के यात्रियों की सुरक्षा और सुविधा के लिए मुहैया करायी जाए और वह फोर्स वहाँ पर भेजी जा चुकी है। ...(व्यवधान)

मैं सभी मृतक-परिवारों के प्रति अपनी संवेदना व्यक्त करता हूँ और इस घटना को बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण और दुखद मानता हूँ। ...(व्यवधान)